वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 54 बुधवार 29 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजाखेड़ा में लोकार्पण-शिलान्यास समारोह

हम जनता की सुनते हैं इसलिए ना काम की कमी और ना ही बजट की : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धौलपुर को दी लगभग 177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

जयपुर. का.सं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास के मूलमंत्र को आत्मसात कर हमारी सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है। किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए योजनाएं बनाई गई हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार धौलपुर जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। विगत ढाई साल में धौलपुर जिले में लगभग दो हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। हम जनता की सुनते हैं इसलिए ना तो काम की कमी है और ना ही बजट की। मुख्यमंत्री मंगलवार को धौलपुर के राजाखेड़ा की फूलपुर ग्राम पंचायत में लोकार्पण-शिलान्यास समारोह एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 177 करोड़ रुपये के 17 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 155 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का लोकार्पण तथा 21 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का शिलान्यास शामिल है।

प्रदेश में हर वर्ग का हो रहा सर्वांगीण विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता को पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, रोजगार सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवा रही है। किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए पीएम किसान सम्मान निधि के साथ ही तीन हजार रुपये अतिरिक्त देने का काम किया है। वहीं, आज किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है। साथ ही, 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी, गंगनहर, देवास, सोम कमला अंबा, माही बांध जैसी विभिन्न परियोजनाओं के जरिए प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य की राह प्रशस्त कर रही है। सिर्फ ढाई वर्ष में ही 1 लाख 78 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी की सौगात मिली है। वहीं, 1 लाख 32 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है तथा 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। साथ ही, निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान का संकल्प साकार हो रहा है। अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को सशक्त एवं समृद्ध करने का काम विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही, महिलाओं, युवाओं सहित प्रत्येक वर्ग के सपनों को साकार किया जा रहा है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाया गया है।

इन विकास कार्यों का किया लोकार्पण

- मनियां में 101 करोड़ रुपये की लागत से 220 केवी जीएसएस तथा संबंधित लाइनों का निर्माण।
- जारह में 33/11 केवी क्षमता के नए सब-स्टेशन की स्थापना।
- लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से राजाखेड़ा तथा सरमथुरा में एफएसटीपी।
- बसई नवाब और सरमथुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र।
- बसई नवाब और कंचनपुर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना।
- बाड़ी में साढ़े तेरह करोड़ रुपये से अधिक की लागत से राम सागर मध्यम सिंचाई परियोजना का पुनर्निर्माण कार्य।
- राजाखेड़ा के नागर-मीठावली में साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से एनिकट निर्माण।
- सोने का गुर्जा में पुलिस थाना और बिजौली, सेवर एवं झिरी में पुलिस चौकी निर्माण।

इन विकास कार्यों का हुआ शिलान्यास

- सरमथुरा में 14 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पार्वती बांध के पुनर्निर्माण कार्य।
- धौलपुर में पौने सात करोड़ रुपये की लागत से जिला औषधि भंडार निर्माण।
- धौलपुर में उपनिदेशक उद्यानिकी विभाग के कार्यालय भवन निर्माण।
- मुख्यमंत्री ने धौलपुर जिले के लिए की महत्वपूर्ण घोषणाएं।
- फूलपुर के खेल मैदान में ढाई करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य।
- 15 करोड़ रुपये की लागत से राजाखेड़ा में मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण।

राजस्थान में पहली बार गोशाला की पावन भूमि पर होगा आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर महाराज का 38वां चातुर्मास

गोलोक धाम, निमोडिया से गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जीवदया और भारतीय संस्कृति का गूंजेगा राष्ट्रीय संदेश

निमोडिया (जयपुर). शाबाश इंडिया

राजस्थान के धार्मिक, सामाजिक और पर्यावरणीय परिदृश्य में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। राष्ट्रसंत, पर्यावरण संरक्षक एवं तपोनिधि परम पूज्य आचार्य भगवान 108 प्रज्ञासागर महाराज का 38वाँ चातुर्मास इस वर्ष गोलोक धाम, निमोडिया की पावन भूमि पर संपन्न होगा। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जीवदया और मानवीय संवेदनाओं को समर्पित एक व्यापक जनजागरण अभियान बनने जा रहा है। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अनुसार, राजस्थान में पहली बार किसी गोशाला की पवित्र भूमि पर किसी आचार्य का चातुर्मास आयोजित किया जा रहा है। अब तक चातुर्मास प्रायः मंदिरों, तीर्थ क्षेत्रों अथवा नगरों में आयोजित होते रहे हैं, किंतु पहली बार गौमाता की सेवा को समर्पित गोलोक धाम इस ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनेगा। इसी कारण देशभर के श्रद्धालुओं में इस चातुर्मास को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण है। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक राजीव जैन (गाजियाबाद) एवं चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि आचार्य श्री की दीक्षा के 38 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस अवधि में देशभर में अनेक ऐतिहासिक चातुर्मास संपन्न हुए हैं, किंतु पहली बार आचार्य श्री ने ऐसी भूमि का चयन किया है, जहाँ गौसेवा, संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का महायज्ञ निरंतर संचालित हो रहा है। आचार्य श्री का यह चातुर्मास ''एक चातुर्मास गौमाता के नाम'' के दिव्य संकल्प को समर्पित रहेगा। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन नहीं, बल्कि गौसेवा, वृक्षारोपण, जीवदया, नशामुक्ति, अहिंसा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में व्यापक जनजागरण करना है।

29 जुलाई को उमड़ेगा गुरु भक्ति का महासागर

मंगलवार, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित होगा। प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होने वाले इस महोत्सव में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के गोलोक धाम पहुँचने की संभावना है। गुरुवंदना, पूजन एवं भक्ति के विविध कार्यक्रमों से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो जाएगा।

2 अगस्त को होगा ऐतिहासिक चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव

रविवार, 2 अगस्त को दोपहर 1 बजे से भव्य चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। जयपुर, निवाई, टोंक, सवाई माधोपुर, कोटा, उज्जैन, इंदौर, सूरत, बड़ौदा, चाकसू, कोटखावदा, बोली, मित्रपुरा, बस्सी, चंदलाई, पदमपुरा, निमोडिया सहित देश के अनेक नगरों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जयपुर शहर की 51 कॉलोनियों से विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। विशाल पांडाल, आवास, भोजन, पेयजल, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि प्रत्येक श्रद्धालु को सुव्यवस्थित एवं दिव्य अनुभव प्राप्त हो सके।

एक करोड़ वृक्ष लगाने के संकल्प को मिलेगी नई गति

पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने वाले आचार्य श्री लंबे समय से एक करोड़ वृक्ष लगाने के संकल्प के माध्यम से समाज को प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में चातुर्मास के दौरान गोलोक धाम एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। हजारों पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण का बनेगा राष्ट्रीय केंद्र

गोलोक धाम का यह चातुर्मास यह संदेश देगा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि गौसेवा, जीवदया, पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा का समग्र जीवन-दर्शन है। यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा कि यदि गौमाता सुरक्षित है तो प्रकृति सुरक्षित है, संस्कृति सुरक्षित है और मानवता भी सुरक्षित है।

जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को किया जाएगा आमंत्रित

चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन में राजस्थान के महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद, विधायक तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि वे गोलोक धाम पहुँचकर गौसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित इस अनूठे अभियान का अवलोकन करें और

समाज को प्रेरित करें।

अंतिम चरण में पहुंची तैयारियां

चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष अनिल जैन बनेठा, महामंत्री पारसमल बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष रमेश गंगवाल सहित सभी पदाधिकारी आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में जुटे हैं। इसी प्रकार गोलोक सेवा समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र जैन, महामंत्री अमित जैन निमोडिया, कार्याध्यक्ष दीपक जैन, कोषाध्यक्ष रोहित जैन तथा सैकड़ों स्वयंसेवक दिन-रात सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।

केवल चातुर्मास नहीं, नई सामाजिक चेतना का शुभारंभ

गोलोक धाम का यह 38वाँ चातुर्मास केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जीवदया, अहिंसा, संस्कार और भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का राष्ट्रीय अभियान बनने जा रहा है। यह आयोजन धर्म, प्रकृति और करुणा के समन्वय का ऐसा संदेश देगा, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करेगा।

संदेश

''जहाँ गौमाता का सम्मान होता है, वहीं करुणा, संस्कृति और समृद्धि का वास होता है। आइए, परम पूज्य आचार्य भगवान 108 प्रज्ञासागर महाराज के ऐतिहासिक 38वें चातुर्मास में सहभागी बनें और गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा जीवदया के इस महाअभियान को जन-जन तक पहुँचाने में अपनी भागीदारी निभाएँ।''

ट्रेन और स्टेशन परिसर में बीड़ी-सिगरेट पीना पड़ेगा भारी

रेलवे ने वसूला 1.24 लाख जुर्माना

जन विश्वास अधिनियम के तहत बढ़ा जुर्माना, अब 200 की जगह देना होगा 2,000 रुपए का दंड

जालोर। (मुकेश सोलंकी) ट्रेनों और रेलवे स्टेशन परिसर में धूम्रपान करने वाले यात्रियों पर उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने सख्ती शुरू कर दी है। मंडल स्तर पर चलाए जा रहे विशेष टिकट जांच अभियान के दौरान ट्रेन अथवा रेलवे परिसर में बीड़ी-सिगरेट पीते पाए जाने वाले यात्रियों के विरुद्ध मौके पर ही कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जा रहा है। जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) हितेश यादव ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संशोधित जन विश्वास अधिनियम के तहत रेलवे परिसर और चलती ट्रेनों में धूम्रपान करने पर जुर्माने की राशि 200 से बढ़ाकर 2,000 रुपए कर दी गई है।

जुलाई माह की कार्रवाई

पकड़े गए यात्री: 62
कुल वसूला गया जुर्माना: 1.24 लाख रुपए
वर्तमान जुर्माना: 2,000 रुपए प्रति उल्लंघन (पूर्व में 200)

सुरक्षा और स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं

सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने कहा कि ट्रेन में बीड़ी या सिगरेट पीने से आग लगने जैसी गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा धूम्रपान से निकलने वाला धुआं सहयात्रियों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर रोगियों के लिए असुविधा एवं स्वास्थ्य संबंधी खतरा उत्पन्न करता है। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धूम्रपान के विरुद्ध यह विशेष जांच अभियान आगे भी बिना किसी रियायत के लगातार जारी रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षित, स्वच्छ एवं धूम्रपान-मुक्त रेल यात्रा सुनिश्चित करने में अपना सहयोग दें।

गुरु और परमात्मा एक-दूसरे में विराजमान हैं, दोनों में कोई अंतर नहीं : आचार्य रामदयालजी महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। माणिक्यनगर रामद्वारा धाम में आयोजित ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के दैनिक सत्संग में अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय, शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज ने कहा कि गुरु और परमात्मा एक-दूसरे में विराजमान हैं, दोनों में कोई अंतर नहीं है। परमात्मा संसार प्रदान करते हैं, जबकि सद्गुरु जीव को संसार-सागर से पार कराते हैं। गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर आचार्यश्री ने कहा कि भारत को प्रेम, ज्ञान और मर्यादा की संस्कृति सद्गुरुओं की देन है। गुरु वशिष्ठ और गुरु विश्वामित्र ने भगवान राम को मयार्दा का आदर्श बनाया, जबकि द्वापर युग में गुरु सांदीपनि और गुरु दुवार्सा ने श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि शास्त्रों को केवल सुनना नहीं, बल्कि समझना आवश्यक है। गीता और अनुभव वाणी का मर्म जानने पर स्पष्ट होता है कि गुरु और गोविंद में कोई भेद नहीं है। सत्संग में संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन तथा संत प्रीतमरामजी (कोटा) ने भजन प्रस्तुत किए। अंत में श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री की आरती की। बुधवार को गुरु पूर्णिमा पर प्रातः 4 बजे से पूजन, अर्चन, गुरु पूजा, सामूहिक महाआरती, भजन एवं विशेष धार्मिक आयोजन होंगे, जिनमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

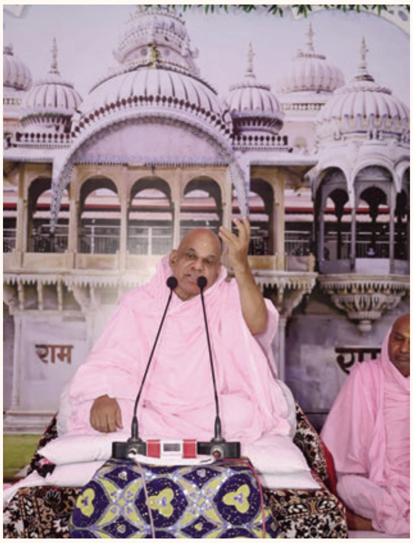

जीवन में गुरु का महत्वपूर्ण स्थान होता है...

गुरु के अभाव में जीवन शुरू नहीं होता

(गुरु पूर्णिमा पर विशेष)

✍राष्ट्र गौरव
पारस जैन 'पार्श्वमणि'
पत्रकार, कोटा (राजस्थान)

मानव जीवन हमें दुर्लभ चिंतामणि रत्न के समान प्राप्त हुआ है। इसका प्रत्येक क्षण अत्यंत मूल्यवान है। क्या हमने कभी एकांत में बैठकर यह विचार किया है कि हम कहाँ से आए हैं, हमारा लक्ष्य क्या है और इस मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है? संतों ने कहा है ''गुरु बिन ज्ञान न होय।'' जीवन में गुरु का स्थान उतना ही आवश्यक है, जितना शरीर के लिए प्राण। जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका आध्यात्मिक जीवन अभी प्रारंभ ही नहीं हुआ। यदि जीवन में सच्चे गुरु का सान्निध्य मिल जाए, तो समझिए जीवन धन्य हो गया।

गुरु का वास्तविक अर्थ
गुरु शब्द अपने आप में अत्यंत गूढ़ और गरिमामय है।
'गु' का अर्थ है – अंधकार
'रु' का अर्थ है – प्रकाश
अर्थात जो अज्ञानरूपी अंधकार को दूर कर ज्ञानरूपी प्रकाश का मार्ग दिखाए, वही सच्चा गुरु है। गुरु ही वह दिव्य शक्ति हैं जो साधारण मनुष्य को श्रेष्ठ व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। वे शिष्य के भीतर छिपी हुई प्रतिभा, सद्गुण और आत्मिक चेतना को जागृत कर उसके जीवन को नई दिशा देते हैं।

जीवन के तीन आधार

मानव जीवन में माँ, गुरु (महात्मा) और परमात्मा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।
माँ हमें जन्म देकर संस्कारों की नींव रखती है।
गुरु जीवन के संघर्षों में सही दिशा, सही निर्णय और श्रेष्ठ कर्म का मार्ग दिखाते हैं।
परमात्मा हमें आत्मशांति, आत्मबोध और मोक्ष का पथ प्रदान करते हैं।
जब जीवन में चारों ओर निराशा और अंधकार छा जाता है, तब गुरु ही दीपक बनकर आशा का प्रकाश फैलाते हैं और हमें सही मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

निष्कर्ष

गुरु केवल शिक्षण देने वाले व्यक्ति नहीं होते। माता-पिता हमारे प्रथम गुरु हैं, प्रकृति हमारी गुरु है, अनुभव हमारा गुरु है और सबसे ऊपर सद्गुरु हैं, जो आत्मा का परमात्मा से साक्षात्कार कराने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व हमें अपने सभी गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। आइए, इस शुभ अवसर पर संकल्प लें कि हम अपने गुरु के बताए मार्ग पर चलकर न केवल अपना जीवन सफल और सार्थक बनाएँगे, बल्कि समाज में ज्ञान, सद्भाव और संस्कारों का प्रकाश भी फैलाएँगे।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥

प्रस्तुति:
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
राष्ट्र गौरव
पारस जैन पार्श्वमणि
पत्रकार, कोटा (राजस्थान)
मो.: 9414764980

राजनीति

बदल सकती है गांव की तस्वीर

प्रियंका कुमारी

किसी भी गांव का विकास केवल सड़क, बिजली, भवन या अन्य भौतिक सुविधाओं के निर्माण से नहीं आंका जा सकता। वास्तविक विकास तब दिखाई देता है, जब गांव का प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी जाति, वर्ग, धर्म, आयु या आर्थिक स्थिति से जुड़ा हो सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। जब किसी गर्भवती महिला को उपचार के लिए भटकना न पड़े, किसी किशोरी को पानी भरने के कारण पढ़ाई न छोड़नी पड़े, किसी बुजुर्ग को पेंशन के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और किसी गरीब परिवार को राशन, स्वास्थ्य या शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े, तभी सरकारी योजनाओं की वास्तविक सफलता मानी जा सकती है। सरकार ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, रोजगार, आवास, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं संचालित करती है। इनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, लेकिन जमीनी स्तर पर योजनाओं और जरूरतमंद लोगों के बीच अब भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। अनेक परिवारों को यह तक पता नहीं होता कि वे किन योजनाओं के पात्र हैं। जानकारी के अभाव, दस्तावेजों की कमी, तकनीकी कठिनाइयों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण हजारों लोग लाभ से वंचित रह जाते हैं। सबसे अधिक प्रभावित गरीब महिलाएं, किशोरियां, विधवाएं, दिव्यांगजन, भूमिहीन मजदूर और समाज के वंचित वर्ग होते हैं। यदि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर सही पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, तो गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है। इसका सबसे सकारात्मक प्रभाव महिलाओं और किशोरियों के जीवन में दिखाई देगा। आज भी ग्रामीण महिलाएं परिवार, खेती, पशुपालन और बच्चों की देखभाल जैसी अनेक जिम्मेदारियां निभाती हैं, लेकिन निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सीमित रहती है। यदि उन्हें योजनाओं की जानकारी, आसान पहुंच और समय पर लाभ मिले, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे आर्थिक तथा सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बन सकेंगी। इसी प्रकार शिक्षा, छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किशोरियों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है।

संपादकीय

ज्ञान के प्रकाश का पर्व

आज जब पूरा देश गुरुपूर्णिमा मना रहा है, तब यह अवसर केवल धार्मिक अनुष्ठान या पारंपरिक उत्सव तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह वह पावन दिवस है, जब हम उन गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने समाज को दिशा दी, अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर अग्रसर किया और मानवता को सभ्यता, संस्कृति तथा नैतिक मूल्यों का मार्ग दिखाया। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती से जुड़ा है।

वेद, पुराण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों के रचयिता वेदव्यास को आदिगुरु माना जाता है, इसलिए यह दिन गुरु-शिष्य परंपरा के सम्मान का प्रतीक बन गया। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत ऊंचा माना गया है। ''गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः'' केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की आधारशिला है। गुरु वह है जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर विवेक, ज्ञान और जीवन का सही मार्ग दिखाता है। आज सूचना के विस्फोट, सोशल मीडिया पर आधे-अधूरे ज्ञान और बढ़ती भ्रम की स्थिति के बीच गुरुपूर्णिमा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारत की ज्ञान परंपरा गुरु-शिष्य संबंध पर आधारित रही है। आचार्य चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को महान सम्राट बनाया, आदि शंकराचार्य ने पूरे भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोया, स्वामी विवेकानंद ने भारतीय दर्शन का वैश्विक परिचय कराया और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने विज्ञान, शिक्षा और नैतिकता का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट है कि सच्चा गुरु केवल विषय का ज्ञान नहीं देता, बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण करता है और जीवन को उद्देश्य प्रदान करता है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। परीक्षा-केंद्रित सोच, रटंत प्रणाली, नैतिक मूल्यों का क्षरण और डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता ने गुरु-शिष्य संबंध की आत्मीयता को कमजोर किया है। शिक्षक कई बार केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित हो जाते हैं और परिवारों में भी बच्चों के साथ संवाद का समय घटता जा रहा है। ऐसे समय में गुरुपूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री या रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि संवेदनशील, जिम्मेदार और विवेकशील नागरिक तैयार करना है। डिजिटल युग में ज्ञान प्राप्त करने के अनेक साधन उपलब्ध हैं। ऑनलाइन पाठ्यक्रम, यूट्यूब और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित माध्यम जानकारी तो सहज उपलब्ध करा देते हैं, किंतु उनमें व्यक्तिगत मार्गदर्शन, अनुशासन, अनुभव और नैतिक दृष्टि का अभाव रहता है। सूचना और ज्ञान में यही मूल अंतर है। जानकारी इंटरनेट से मिल सकती है, परंतु विवेक, संस्कार और जीवन-दृष्टि का निर्माण आज भी गुरु के सान्निध्य से ही संभव है। इसलिए गुरुपूर्णिमा केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मविकास का अवसर भी है। समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि शिक्षकों के सम्मान, गरिमा और कार्य परिस्थितियों को बेहतर बनाया जाए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सारनाथः बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली से विश्व धरोहर तक

सुनील कुमार महला

हाल ही में 25 जुलाई 2026 को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को की 48वीं विश्व धरोहर समिति की बैठक में सारनाथ को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्रदान किया गया। यह उपलब्धि केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। यह निर्णय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, बौद्ध परंपरा और वैश्विक पहचान को नई मजबूती प्रदान करने वाला ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। सारनाथ वही पवित्र स्थल है जहां भगवान गौतम बुद्ध ने बोधगया में ज्ञान प्राप्त करने के पश्चात अपना प्रथम उपदेश दिया था, जिसे धर्मचक्र प्रवर्तन के नाम से जाना जाता है। यहीं से बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार का व्यवस्थित आरंभ हुआ। सारनाथ में स्थित सम्राट अशोक का सिंह स्तंभ भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है, जबकि हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अशोक चक्र भी इसी धरोहर से प्रेरित है। यूनेस्को ने सारनाथ को सांस्कृतिक मानदंड और के अंतर्गत विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है, जो इसकी ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता का वैश्विक प्रमाण है। सारनाथ के विश्व धरोहर बनने के साथ ही बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थस्थलों में से तीन लुंबिनी (नेपाल), महाबोधि मंदिर, बोधगया (बिहार) और अब सारनाथ (उत्तर प्रदेश) विश्व धरोहर सूची में शामिल हो चुके हैं। इससे भारत की पहचान बौद्ध धर्म की जन्मभूमि और उसके प्रमुख केंद्र के रूप में और अधिक सुदृढ़ हुई है। यह उपलब्धि विश्वभर के करोड़ों बौद्ध अनुयायियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी है। सारनाथ को वर्ष 1998 में यूनेस्को की संभावित विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। इसके बाद जनवरी 2025 में भारत सरकार ने इसका औपचारिक नामांकन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। लगभग 18 महीने तक चली तकनीकी समीक्षा, विशेषज्ञों की बैठकों तथा आईसीओएमओएस के विस्तृत मूल्यांकन के बाद विश्व धरोहर समिति ने बुसान में इसे विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और देशवासियों को बधाई दी। सारनाथ को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने से जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, कंबोडिया, वियतनाम, दक्षिण कोरिया और मंगोलिया जैसे बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंध और अधिक सुदृढ़ होंगे। साथ ही, यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, विरासत संरक्षण और वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2025 में पेरिस में आयोजित यूनेस्को की 47वीं विश्व धरोहर समिति की बैठक में द्यभारत के मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्सद्य को भी विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। वर्तमान में 45 विश्व धरोहर स्थलों के साथ भारत विश्व में छठे तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। वर्ष 1972 के विश्व धरोहर सम्मेलन को अब तक 196 देशों ने स्वीकार किया है।

आकाशवाणी उदयपुर में सम्मानित हुए साई तिरुपति विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थी

राष्ट्रीय प्रसारण दिवस पर क्विज विजेताओं ने साझा किए अनुभव, रेडियो प्रसारण की बारीकियों से हुए रूबरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय प्रसारण दिवस के अवसर पर साई तिरुपति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय देते हुए आकाशवाणी उदयपुर में सम्मान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकाशवाणी केंद्र आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें रेडियो प्रसारण की कार्यप्रणाली को निकट से समझने और अपने विचार साझा करने का अवसर

मिला। इस अवसर पर प्रतियोगिता के विजेता संजना अग्रवाल, फैसल खान, अर्जुन जाट तथा कृष्णपाल सिंह राठौड़ का साक्षात्कार रिकॉर्ड किया गया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और ज्ञानवर्धक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। आकाशवाणी के अधिकारियों ने उन्हें रेडियो प्रसारण की तकनीकी प्रक्रिया, समाचार संकलन, उद्घोषणा शैली तथा आधुनिक जनसंचार माध्यमों की बदलती भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। साई तिरुपति विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को नई पहचान देने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी समर्पण और उत्साह के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डॉ. गीतांजलि शर्मा तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सेल के दीपक तेली उपस्थित रहे। यह आयोजन पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सेल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप' फोटो : दीपक तेली

राष्ट्रीय मंच पर चमका जीतो लेडिज विंग भीलवाड़ा

चार प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर बढ़ाया जिले का मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, खेल एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए जीतो लेडिज विंग भीलवाड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर चार प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। हरिद्वार में आयोजित जीतो लेडिज विंग के राष्ट्रीय सम्मेलन एवं समीक्षा बैठक 'समीक्षा-2026' में देशभर की 100 से अधिक शाखाओं के बीच भीलवाड़ा चैप्टर के कार्यों को विशेष सराहना मिली। राष्ट्रीय स्तर पर भीलवाड़ा शाखा को खेल गतिविधियों के सफल संचालन एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए स्पोर्ट्स एप्रिसिएशन अवार्ड तथा महिला आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली अभिनव परियोजनाओं और प्रयासों के लिए आत्मनिर्भर एप्रिसिएशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 'उत्सव शक्ति का-मौन से मुखर तक की पहचान' राष्ट्रीय अभियान में उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचार एवं प्रभावी कार्यों के लिए जीतो लेडिज विंग भीलवाड़ा की चेयरपर्सन नीता बाबेल को सीपी रिकॉग्नाइजिंग अवार्ड तथा अभियान के सफल संचालन, प्रभावी समन्वय और संगठनात्मक दक्षता के लिए चीफ सेक्रेटरी अर्चना पाटोदी को सीएस रिकॉग्नाइजिंग अवार्ड प्रदान किया गया। ये सम्मान जीतो एपेक्स लेडिज विंग की चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ एवं डायरेक्टर-इन-चार्ज सोनाली दुग्गड़ ने राजस्थान कन्वीनर सरिता लोढ़ा, एपेक्स सचिव सरिता भूतोरिया, शशि मांडोत, कोषाध्यक्ष कविता जैन तथा मेंटोर मीनल खोना की उपस्थिति में प्रदान किए। इस उपलब्धि पर चेयरपर्सन नीता बाबेल ने राष्ट्रीय एवं राज्य नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की एकजुटता, समर्पण, सेवा-भाव और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कार्यकारिणी पदाधिकारियों, प्रोजेक्ट कन्वीनर्स और सभी सदस्यों के सहयोग के प्रति आभार जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह उपलब्धि संगठन को महिला सशक्तिकरण, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में और अधिक ऊर्जा तथा समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

पूज्य पुलकसागरजी महाराज के पूजन एवं जिज्ञासा समाधान के लिए सूर्यमहल में उमड़ रहे श्रद्धालु

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। ओजस्वी प्रवचनकार एवं प्रख्यात राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव पुलकसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मैन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान तथा सकल दिगम्बर जैन समाज के सहयोग से आयोजित चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ 2 अगस्त को चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना के साथ होगा। इससे पूर्व गुरुदेव के प्रवास स्थल शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में प्रतिदिन पूजन, गुरु दर्शन एवं जिज्ञासा समाधान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि मंगलवार को भी शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं गुरुदेव के दर्शन, धर्मचर्चा और आशीर्वाद के लिए पहुँचे। श्रद्धालुओं ने अपनी धार्मिक एवं आध्यात्मिक जिज्ञासाएं गुरुदेव के समक्ष रखीं, जिनका उन्होंने सरल एवं प्रेरक शब्दों में समाधान किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आर.के. कॉलोनी महिला मंडल एवं सुभाषनगर महिला मंडल की सदस्यों ने गुरु पूजन किया। दीप प्रज्वलन, पाद-प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य दिनेशकुमार-स्नेह किरण, पीयूष-प्राची, रचित-निमिषा, धैर्या एवं इवान सेठिया परिवार को प्राप्त हुआ। समिति के संयोजक मनीष शाह ने बताया कि 31 जुलाई तक प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे गुरु पूजन तथा 9 से 10 बजे तक धर्मचर्चा एवं जिज्ञासा समाधान का क्रम जारी रहेगा। 1 अगस्त को चित्रकूटधाम में गुरु गुणानुवाद महोत्सव तथा 2 अगस्त को चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना महोत्सव आयोजित होगा, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समिति के सह-संयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि 3 अगस्त से सूर्यमहल में प्रतिदिन प्रातः 8:30 से 10 बजे तक नियमित चातुर्मासिक प्रवचन होंगे। वहीं, 15 से 30 अगस्त तक चित्रकूटधाम में ज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

चित्रकूट नगर स्थित पैसिफिक कॉलेज में आयोजित हुई दो दिवसीय रचनात्मक कार्यशाला

अभिनय और फिल्म निर्माण की बारीकियां सीखीं 'स्टेज टू स्क्रीन' कार्यशाला में

- मंच संचालन, अभिनय और संवाद की कला
- फिल्म निर्माण की बारीकियां
- व्यावहारिक अभ्यास से बढ़ा आत्मविश्वास

उदयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट नगर स्थित पेसिफिक कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय 'स्टेज टू स्क्रीन' कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अभिनय, मंच संचालन और फिल्म निर्माण की रचनात्मक प्रक्रिया को समझने का प्रभावी मंच बनी। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने सैद्धांतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर प्रतिभागियों को मंच से लेकर कैमरे के सामने प्रस्तुति देने की विभिन्न तकनीकों से परिचित कराया। कार्यशाला के प्रथम दिन युवा एंकर, अभिनेता एवं एंटरटेनर दीपक शर्मा ने प्रतिभागियों को मंच संचालन, अभिनय और दर्शकों से प्रभावी संवाद स्थापित करने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि सफल एंकरिंग के लिए आवाज का उतार-चढ़ाव, स्पष्ट उच्चारण, आत्मविश्वास, प्रभावी हाव-भाव, मंच पर उपस्थिति और समयानुकूल प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक सफल कलाकार के लिए संवाद अदायगी के साथ विषय की समझ, सहजता और दर्शकों की मनःस्थिति को पहचानना भी आवश्यक है। दीपक शर्मा ने विभिन्न अभिनय अभ्यासों और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों की झिझक दूर करने का प्रयास किया। विद्यार्थियों ने मंच पर प्रस्तुति देकर एंकरिंग और अभिनय की बारीकियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इस दौरान अनुज सिंह ने सहयोगी की भूमिका निभाई। कार्यशाला के दूसरे दिन फिल्म निर्माता, लेखक एवं निर्देशक सुबस्तो दक्ष पांडे ने फिल्म निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विचार को कहानी में विकसित करने, पटकथा लेखन, चरित्र निर्माण, संवाद, दृश्य संयोजन, कैमरा एंगल, शॉट डिवीजन और निर्देशन की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण तकनीक और रचनात्मकता का समन्वित माध्यम है, जिसमें कहानी, अभिनय, कैमरा, ध्वनि और संपादन मिलकर प्रभावी दृश्य अभिव्यक्ति का निर्माण करते हैं। कार्यशाला सहयोगी दीपेंद्र कुमावत ने मंच और कैमरे के अभिनय के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि मंच पर कलाकार को आवाज और भाव-भंगिमाओं का व्यापक उपयोग करना पड़ता है, जबकि कैमरे के सामने सूक्ष्म अभिव्यक्तियां अधिक प्रभावी होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मौलिक सोच विकसित करने और नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया। संघ चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को नई पहचान देने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। कॉलेज डायरेक्टर डॉ. रिमझिम गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक विशेषज्ञों से संवाद किया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह कार्यशाला उन्हें मनोरंजन एवं फिल्म उद्योग की कार्यप्रणाली समझने के साथ अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने में सफल रही।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप'
फोटो: दिव्या लावटी

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में श्री 1008 इन्द्रध्वज महामण्डल विधान पूजा का हुआ समापन

गणिनी प्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

आगरा रोड स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, सेठी कॉलोनी में अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर परम पूज्या गणिनी प्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ के सानिध्य में आयोजित श्री 1008 इन्द्रध्वज महामण्डल विधान पूजा का भक्तिभाव एवं धार्मिक उल्लास के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा एवं राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के पदाधिकारियों ने पूज्य माताजी के दर्शन कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धमीचंद कासलीवाल एवं कोषाध्यक्ष राकेश मुशरफ ने बताया कि प्रातः 6 बजे मंगलाष्टक के साथ भगवान महावीर का अभिषेक किया गया। विश्व में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना के साथ पूज्य माताजी के मुखारविंद से मंत्रोच्चारपूर्वक शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने माताजी का पाद-प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाषचंद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष बैद सहित अन्य गणमान्य जनों ने पूज्य माताजी को श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का तिलक, माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान राजस्थान जैन सभा द्वारा प्रकाशित महावीर जयंती स्मारिका भी पूज्य माताजी को भेंट की गई। सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उद्बोधन में राजस्थान जैन सभा, जयपुर की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए अष्टान्हिका महापर्व के दौरान आयोजित श्री 1008 इन्द्रध्वज महामण्डल विधान पूजा की अनुमोदना की। इससे पूर्व पूज्य माताजी ससंघ के सानिध्य में नित्य पूजा एवं सरस्वती माता की पूजा संपन्न हुई। इसके उपरांत पूज्य माताजी ने अपनी अमृतमयी वाणी के मंत्रोच्चार के साथ विश्वशांति महायज्ञ संपन्न कराया। अंत में विश्वशांति हवन के साथ श्री 1008 इन्द्रध्वज महामण्डल विधान पूजा का विधिवत समापन हुआ। संपूर्ण विधान अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ निर्विघ्न संपन्न हुआ। अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी ने बताया कि सायंकाल आरती, गुरु भक्ति एवं प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया।

बुधवार को होगा चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव:

गणिनी प्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव बुधवार, 29 जुलाई को दोपहर 1 बजे से आयोजित होगा। समारोह में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी, जबकि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन, पाद-प्रक्षालन, जिनवाणी भेंट, संगीतमय पूजा तथा पूज्य माताजी के मंगल प्रवचन आयोजित किए जाएंगे।

शाश्वत तीर्थ अयोध्या में गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ का वर्षायोग स्थापना समारोह सम्पन्न

अयोध्या. शाबाश इंडिया। शाश्वत तीर्थ अयोध्या स्थित श्री दिगम्बर जैन बड़ा मूर्ति मंदिर, रायगंज में जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ ने विधिवत वर्षायोग (चातुर्मास) स्थापना की। संघ में 16 साध्वी माताजी एवं ब्रह्मचारिणी बहनें विराजमान हैं। अयोध्या तीर्थ क्षेत्र समिति के मंत्री विजय कुमार जैन ने बताया कि जैन परंपरा के अनुसार वर्षाकाल में संत चार माह तक एक ही स्थान पर रहकर संयम, साधना एवं धर्म आराधना करते हैं।इस अवसर पर गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने कहा कि वर्ष 2026 का चातुर्मास तीर्थंकरों की जन्मभूमि शाश्वत तीर्थ अयोध्या में सम्पन्न होना उनका सौभाग्य है। चातुर्मास स्थापना के लिए समिति के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी, संघपति अनिल जैन (प्रीत विहार, दिल्ली), कैलाशचंद सर्राफ, सुभाषचंद जैन (लखनऊ), अमरचंद जैन, रिषभ जैन, विजय कुमार जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने श्रीफल समर्पित कर विनयपूर्वक निवेदन किया। समारोह में पूज्य माताजी का पाद-प्रक्षालन एवं पिच्छी समर्पण भी श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ। चातुर्मास के दौरान दशलक्षण महापर्व पर 11 दिवसीय श्री 1008 इन्द्रध्वज महामण्डल विधान का आयोजन होगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालु सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने किया तथा अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर निकली जागरूकता रैली, बच्चों ने लिया अंगदान का संकल्प

अजमेर। (रोहित जैन) विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर **Hepatitis: Let's Break It Down** थीम के तहत जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया के नेतृत्व में प्रातः 9:00 बजे जेएलएन मेडिकल कॉलेज से लगभग 300 विद्यार्थियों की विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना रंगा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने बताया कि रैली जेएलएन मेडिकल कॉलेज से प्रारंभ होकर बजरंगगढ़ सर्किल तक पहुंची और वहां से पुनः मेडिकल कॉलेज परिसर में आकर संपन्न हुई।सुप्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ. एम. पी. शर्मा ने रैली में उपस्थित विद्यार्थियों को हेपेटाइटिस से बचाव, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी। एनवीएचसीपी (NVHCP) की नोडल अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना चांदवानी ने बताया कि इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने रैली में शामिल सभी बच्चों को अंगदान के प्रति जागरूक करते हुए अंगदान का संकल्प दिलाया। साथ ही समाज में हेपेटाइटिस की रोकथाम, समय पर जांच एवं उपचार तथा अंगदान के महत्व का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम में डॉ. गरिमा बाफना, डॉ. कमलेश तनवानी, डॉ. गीता परिहार, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. मुनेश मीणा, डॉ. अमित यादव, डॉ. राजमणि, डॉ. महेश मेहता सहित अनेक चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर पौधारोपण कर वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पिंक सिटी चौपाल के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, साँख में वीर सैनिकों के सम्मान में भावपूर्ण पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कर्नल डॉ. महेंद्र कुमार रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। मुख्य अतिथि कर्नल डॉ. महेंद्र कुमार ने कारगिल युद्ध के शौर्य, साहस और बलिदान की प्रेरणादायी गाथाएं साझा करते हुए विद्यार्थियों को अपने कौशल और रुचि के अनुरूप राष्ट्र सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजिकाएं डॉ. सुषमा के.के. एवं अनु सोगानी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल सैन्य विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि देश के वीर जवानों के अदम्य साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि शहीदों की स्मृति में लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में पूर्णिमा, यशोधरा, वीना, रश्मि, आभा, शर्मिला, प्रतिभा, तरु, अंशुमान सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की नई टीम ने ली शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन का रोटरी वर्ष 2026-27 का इंस्टॉलेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह दिल्ली रोड स्थित होटल व्योम में आयोजित किया गया। समारोह में नव-निर्वाचित अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, सचिव सचिन जैन एवं कोषाध्यक्ष महेश शर्मा सहित नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में रोटरी सदस्यों, गणमान्य अतिथियों एवं शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अरुण बागड़िया थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (पीडीजी) रोटेरियन अजय काला, रोटेरियन संजय कौशिक, रोटेरियन दिनेश बज एवं रोटेरियन पूनम बागड़िया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात नव-निर्वाचित अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष को कॉलर पहनाकर विधिवत पदभार सौंपा गया। साथ ही नवगठित बोर्ड एवं नए सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण की। नव-निर्वाचित अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने सेवा, नवाचार और सदस्य सहभागिता को क्लब की प्राथमिकता बताते हुए आगामी वर्ष की योजनाओं की जानकारी दी। वहीं क्लब सचिव सचिन जैन ने बताया कि क्लब अपने स्थायी सेवा प्रकल्प के अंतर्गत एक और आधुनिक डायलिसिस सेंटर स्थापित करेगा, जिससे जरूरतमंद मरीजों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। अपने संबोधन में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अरुण बागड़िया ने क्लब की सेवा गतिविधियों एवं निरंतर बढ़ते सदस्य परिवार की सराहना करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। अन्य अतिथियों ने भी क्लब के सामाजिक सरोकारों और सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कोषाध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि समारोह में चेयरमैन रविन्द्रनाथ गुप्ता, सुधीर गोधा, कमलेश जैन, नरेंद्र जैन, नीरज लुहाड़िया, संदीप जैन, राकेश जैन, अशोक गुप्ता, रोटेरियन अजय जैन, रोटेरियन मनीष शाह, रोटेरियन निधि राव, रोटेरियन प्रसनजीत मालू, रोटेरियन रोहित जैन, रोटेरियन सचिन अग्रवाल एवं रोटेरियन शालिनी जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

नयापुरा मंडल ने शुरू किया "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान

कोटा. शाबाश इंडिया

भारतीय जनता पार्टी नयापुरा मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान की शुरूआत करते हुए पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने नयापुरा मुक्तिधाम में सफाई अभियान संचालित किया तथा उम्मेद पार्क में नीम, जामुन, आम और पीपल के पौधे रोपे। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश भी दिया गया। नयापुरा मंडल के युवा कार्यकर्ता राजकुमार सैन ने बताया कि मंडल अध्यक्ष समीर सैनी ने आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक पौधे की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सतीश चौधरी, मोर्चा महामंत्री अमित उराड़िया, मंडल महामंत्री अर्चना शर्मा, राजू बंजारा, राजकुमार सैन, चमन कैलवा, बबीता कोनांक, राजेन्द्र सिंह खींची, शकुन्तला पांचाल, दीपक, दिनेश धाकड़, दीपांशु शर्मा, रोहित, अमन साहू सहित नयापुरा मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवीन जैन 'नव' को मिला 'स्टार ऑफ पोएट्री अवॉर्ड'

टीवी रियलिटी शो 'जोक्स का पिटारा' में निभाई जज की भूमिका

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। प्रख्यात कवि नवीन जैन 'नव' ने एक बार फिर भीलवाड़ा का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने टीवी रियलिटी पोएट्री शो 'जोक्स का पिटारा' में जज की भूमिका निभाने के साथ 'स्टार ऑफ पोएट्री अवॉर्ड' भी प्राप्त किया। यूनिक आर्ट एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के अली रॉय एवं सपना सिंह ने बताया कि प्रोडक्शन हाउस कविता, शायरी और कॉमेडी की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'जोक्स का पिटारा' शो लेकर आया है। इसकी शूटिंग हाल ही में मथुरा में सम्पन्न हुई। इस शो में अंतरराष्ट्रीय कवि अरुण जैमिनी, नवीन सारथी और नवीन जैन 'नव' ने निर्णायक (जज) की भूमिका निभाई। उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए प्रोडक्शन हाउस ने नवीन जैन 'नव' को 'स्टार ऑफ पोएट्री अवॉर्ड' से सम्मानित किया। नवीन जैन 'नव' की इस उपलब्धि पर साहित्यकारों, शुभचिंतकों और प्रशंसकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शो का प्रसारण शीघ्र ही सेवन एक्स पंजाबी टीवी चैनल के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म, यूट्यूब, इंस्टाग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया माध्यमों पर किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन कवि विकास बैरागी ने किया।

जयकारों के बीच आर्यिकारत्न श्री अर्हंश्री माताजी ससंघ के 14वें अर्हंम वर्षायोग चातुर्मास कलश की स्थापना, उमड़ा जनसैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पूज्य आर्यिकारत्न श्री अर्हंश्री माताजी ससंघ के 14वें अर्हंम वर्षायोग के अंतर्गत चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। जयकारों, मंगलध्वनि और भक्ति गीतों से मंदिर परिसर एवं आसपास का वातावरण धर्ममय हो गया। इस अवसर पर रेवाड़ी, आगरा, नोएडा, दिल्ली सहित राजस्थान जैन सभा के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा त्रिवेणी नगर, 10-बी स्कीम, मांग्यावास, कीर्ति नगर, शक्ति नगर, गायत्री नगर, प्रताप नगर सहित जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। अर्हंम वर्षायोग समिति के अध्यक्ष अमित गोधा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ काला परिवार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने विभिन्न कलशों की स्थापना का पुण्यार्जन प्राप्त किया। मुख्य कलश की स्थापना विनय सोगानी परिवार, अक्षयरिद्धि कलश की स्थापना शुभम शाह परिवार तथा अक्षयविशुद्धि कलश की स्थापना रितेशझरमेश जैन परिवार द्वारा सम्पन्न की गई। समारोह में धर्मप्रेमी बंधुओं, महिला मंडल, युवा वर्ग एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भव्य कलश यात्रा एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच संपूर्ण वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य आर्यिकारत्न श्री अर्हंश्री माताजी ने कहा कि यह वर्षायोग केवल मंगल विहार का आयोजन नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सकल जयपुर जैन समाज के लिए आध्यात्मिक महापर्व का शुभारंभ है। यह चातुर्मास धर्म, साधना, संस्कार और सेवा का अनुपम संगम बनकर समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार करेगा। समारोह के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक मंगलकामना करते हुए प्रार्थना की कि यह चातुर्मास समाज के लिए प्रेरणा, संस्कार और आत्मकल्याण का केंद्र बने तथा धर्म की पावन धारा जन-जन तक निरंतर प्रवाहित होती रहे।

चातुर्मास के प्रारंभ पर शांतिभवन में तप आराधना का विराट स्वरूप, 300 से अधिक तपस्वियों ने लिए प्रत्याख्यान

तप आत्मशुद्धि और सकाम कर्मनिर्जरा की साधना है : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। चातुर्मास के शुभारंभ पर शांतिभवन में तप आराधना का भव्य वातावरण देखने को मिला। धर्मचक्र तप की आराधना कर रहे 300 से अधिक तपस्वी भाई-बहनों ने श्रमण संघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज के सानिध्य में प्रत्याख्यान ग्रहण किए। इस अवसर पर आयोजित विशाल धर्मसभा में युवाचार्यश्री ने तप के आध्यात्मिक स्वरूप और उसके वास्तविक उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। युवाचार्यश्री ने कहा कि तप आत्मशुद्धि और सकाम कर्मनिर्जरा की साधना है। आत्मा पर अनादिकाल से संचित कर्मों के मैल को दूर कर उसे निर्मल बनाने का सबसे प्रभावी साधन तप है। तपस्या का उद्देश्य केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि समता, संयम और आत्मजागरण के माध्यम से कर्मों का क्षय करना है। उन्होंने कहा कि तप का मूल्य इस बात से नहीं आंका जा सकता कि किसी साधक ने कितने दिनों तक उपवास किया, बल्कि इस आधार पर कि उसने तप के दौरान अपने भीतर कितनी समता, सहनशीलता और आत्मिक जागृति विकसित की। आगम में वर्णित निर्जरा के स्वरूपों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वेदना और निर्जरा का संबंध समझना आवश्यक है। केवल कष्ट सह लेना ही तप नहीं है, बल्कि समभाव से कष्ट सहकर कर्मों का क्षय करना ही सच्ची तपस्या है। युवाचार्यश्री ने कहा कि महापुरुषों ने वेदना को कर्मनिर्जरा का अवसर माना। इसके विपरीत द्वेष, प्रतिशोध और अशांति के साथ सहा गया कष्ट आत्मकल्याण का मार्ग नहीं बन सकता। कर्म सिद्धांत में चमत्कार का कोई स्थान नहीं है। कर्मों का क्षय केवल साधना, समता और पुरुषार्थ से ही संभव है।

अंतरराष्ट्रीय टेक्सटाइल कोच एवं लेखक अक्षय ठोलिया की पुस्तक 'फैब्रिक इंटेलिजेंस' का लोकार्पण

वस्त्र शिक्षा और उद्योग के लिए व्यवहारिक अध्ययन की अनूठी पहल

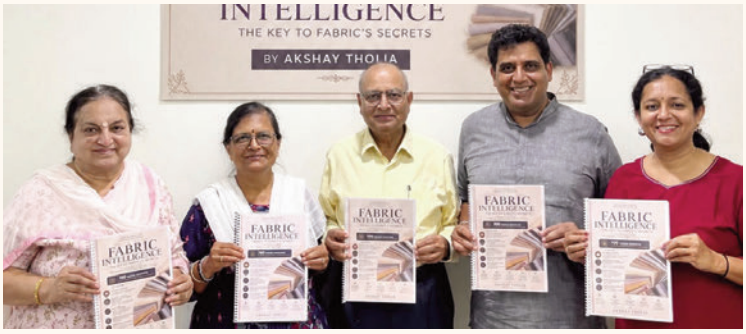

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय टेक्सटाइल कोच एवं लेखक अक्षय ठोलिया की नई पुस्तक 'फैब्रिक इंटेलिजेंस' का लोकार्पण प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. एस. के. जैन, पूर्व कुलपति, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय तथा प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अक्षय ठोलिया ने बताया कि यह पुस्तक 100 वास्तविक फैब्रिक सैंपलों के साथ तैयार की गई है। प्रत्येक सैंपल के लिए पुस्तक में विस्तृत तकनीकी जानकारी, अभ्यास एवं सीखने से जुड़ी गतिविधियाँ दी गई हैं। इन गतिविधियों को पूरा करने के बाद संबंधित फैब्रिक सैंपल को पुस्तक में निर्धारित स्थान पर माउंट किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस अनूठी अवधारणा का उद्देश्य पाठकों को केवल फैब्रिक्स के बारे में सैद्धांतिक जानकारी देना नहीं, बल्कि व्यवहारिक अभ्यास के माध्यम से उनकी पहचान, संरचना, गुणों और विश्लेषण की समझ विकसित करना है। पुस्तक का लोकार्पण करते हुए डॉ. एस. के. जैन ने कहा कि 'फैब्रिक इंटेलिजेंस' वस्त्र एवं परिधान उद्योग के लिए अत्यंत उपयोगी और व्यवहारिक पुस्तक है। उन्होंने इसे विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, उद्यमियों तथा टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े पेशेवरों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल बताया। समारोह में प्रख्यात पब्लिक स्पीकर डॉ. सोनाली एन. ठोलिया, श्रीमती शशि सेन जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष, पारिवारिक समस्या निराकरण समिति, दिगंबर जैन इंटरनेशनल सोशल ग्रुप फेडरेशन तथा श्रीमती आशिमा जैन भी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने पुस्तक को वस्त्र शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में एक अभिनव और उपयोगी प्रयास बताते हुए लेखक को शुभकामनाएँ दीं।

गुरु पूर्णिमा : ज्ञान की ज्योति जलाने का महापर्व

✍ राजेश जैन 'ददू'

''गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥''

गुरु की महिमा अगम और अनंत है। गुरु ज्ञान के स्रोत हैं। उनके दर्शन, सान्निध्य और उपदेश से जीवन का अज्ञान दूर होता है तथा भवसागर के दुःखों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा पूरे भारत में गुरु पूर्णिमा के रूप में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन में अंधकार दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। जैन धर्म में देव, शास्त्र और गुरु को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। गुरु ही राग-द्वेष से मुक्त होकर समता, संयम, अहिंसा और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलना सिखाते हैं। वे हमारे भीतर सुप्त आत्मचेतना को जागृत कर मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करते हैं। आचार्य, उपाध्याय और साधु—ये तीनों हमारे गुरु हैं। उनके आचरण, प्रवचन और मार्गदर्शन से धर्म की प्रभावना होती है। चातुर्मास के दौरान जब मुनिसंघ एक स्थान पर विराजमान होकर धर्मदेशना देते हैं, तब गुरु पूर्णिमा का महत्व और भी बढ़ जाता है।

गुरु पूर्णिमा पर क्या करें?

गुरुदेव के दर्शन एवं वंदन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। आगम, शास्त्र एवं धार्मिक साहित्य का स्वाध्याय करें। तप, जप, दान, सेवा एवं गुरु भक्ति के कार्यों में सहभागी बनें। संयम, सत्य, अहिंसा और सदाचार का जीवन अपनाने का संकल्प लें। गुरु हमें सिखाते हैं कि जीवन केवल जीने के लिए नहीं, बल्कि सही ज्ञान के साथ सार्थक ढंग से जीने के लिए मिला है। वे हमें आत्मकल्याण का मार्ग दिखाकर संसार-सागर से पार लगाने वाले सच्चे पथप्रदर्शक हैं।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में भगवान के 1024 सहस्रनाम अर्घ्य समर्पित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, डीडवाना रोड, कुचामन सिटी में विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं सर्वजन मंगल की कामना से आयोजित अष्टान्हिका पर्व के अंतर्गत नौ दिवसीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान के आठवें दिन विविध धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुए। कलशाभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य महेन्द्र कुमार, सरला, विशाल, एकता, पारस, नेहा, भव्य जिंदल पहाड़िया परिवार तथा कमला देवी, अमित, निधि, मनोज, आरती, तक्ष, लक्ष्य, जितासा एवं जिताक्षा पाटोदी (मीठड़ी) परिवार को प्राप्त हुआ। सभी श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से शांतिधारा कर पुण्यार्जन किया। लालचंद पहाड़िया ने बताया कि अष्टान्हिका पर्व में सिद्धचक्र विधान का विशेष महत्व है। कलशाभिषेक एवं पूजन का लाभ चिरंजीलाल, सुरेश कुमार, विशाल, हेमांग पाटोदी, भंवरलाल झाझरिया, लालचंद, विकास, नीरज पहाड़िया, मनीष, राजेश, प्रदीप गगवाल, संतोष, विकास काला, सुरेश, पवन, राजेश पांड्या, अशोक अजमेरा, मनोज गोधा, तेजकुमार बड़जात्या सहित अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने प्राप्त किया। कलशाभिषेक के पश्चात आयोजित श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान में भगवान के 1024 सहस्रनाम अर्घ्य विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं सर्वजन कल्याण की मंगलभावनाओं के साथ समर्पित किए गए। सायंकाल देव, शास्त्र, गुरु, सिद्धचक्र विधान एवं वर्धमान स्तोत्र की 64 दीपकों से भव्य महाआरती की गई। आयोजन का समापन बुधवार को विश्व शांति हवन एवं पूर्णाहुति के साथ होगा। विधान के सभी धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। **-सुभाष पहाड़िया**

मीरा मार्ग दिगम्बर जैन मंदिर में युगल मुनिराजों का भव्य मंगल प्रवेश, निकली विशाल शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरा मार्ग स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित परम पूज्य आचार्य श्री 108 अर्जव सागर जी महाराज के सुयोग्य एवं प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि श्री 108 विलोक सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 विबोध सागर जी महाराज का 26 जुलाई 2026 को विशाल शोभायात्रा एवं जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए शोभायात्रा को भव्य एवं आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान किया। मंगल प्रवेश एवं शोभायात्रा के सफल आयोजन में दिगम्बर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, जुलूस संयोजक अशोक सेठी एवं अशोक छाबड़ा का विशेष योगदान रहा। युवा मंडल, महिला जागृति समिति तथा मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से संपूर्ण आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन सीए मनोज जैन एवं डॉ. सुरेश सोनी ने गरिमापूर्ण ढंग से किया। वहीं भोजन व्यवस्था का संचालन राजेश काला, युवा मंडल एवं महिला जागृति समिति के सदस्यों ने किया, जिसकी श्रद्धालुओं ने सराहना की। श्री आदिनाथ युवा मंडल समिति की ओर से पंकज जैन, अपूर्व पाटंगिया, रजनीश जैन सहित सभी सदस्यों ने आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए अतिथियों एवं समाजजनों के सहयोग और

समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रचार एवं प्रसार मंत्री रजनीश जैन ने बताया कि समाज के सभी वर्गों की सेवा भावना, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता के कारण आयोजन ऐतिहासिक एवं अत्यंत सफल रहा। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की भावपूर्वक अनुमोदना की। मंदिर समिति ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी समाजजनों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी की सामूहिक भागीदारी से यह मंगल प्रवेश समारोह अविस्मरणीय बन सका।

मिशन मुस्कान के तहत 40 बच्चों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

आंगनवाड़ी के 40 बच्चों को गणवेश, 20 अन्य बच्चों के लिए बाबा सूट भेंट

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 के प्रांतपाल लायन निशांत जैन के प्रांतीय स्लोगन ''फ्लाइट ऑफ ड्रीम'' के प्रमुख सेवा प्रकल्प ''मिशन मुस्कान'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा जरूरतमंद बच्चों के लिए गणवेश वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, प्रांतीय सभापति (मिशन मुस्कान) लायन अतुल पाटनी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी, दिल्ली निवासी राजेश जैन तथा अन्य भामाशाहों के सहयोग से तोपदड़ा क्षेत्र के स्लम इलाके में संचालित पीले मियां का तकिया आंगनवाड़ी एवं चर्च रोड आंगनवाड़ी के 40 बच्चों को गणवेश वितरित किए गए। साथ ही 20 अन्य जरूरतमंद बच्चों के लिए बाबा सूट भी उपलब्ध कराए गए, जिन्हें आवश्यकता के अनुसार वितरित किया जाएगा। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उन बच्चों का उत्साहवर्धन करना है, जो नियमित रूप से आंगनवाड़ी में शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण करने आते हैं। प्रांतीय सभापति लायन अतुल पाटनी के संयोजन में चर्च रोड आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता सुनीता चौहान, सहायिका अमृता गहलोत, पीले मियां का तकिया आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता संगीता कड़ेला, सहायिका वंदना सेन तथा स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता एवं रक्तवीर धीरज गोयल के सहयोग से बच्चों को गणवेश वितरित किए गए। गणवेश प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अभिभावकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए लायंस क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने सभी सेवा सहयोगियों, भामाशाहों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'मिशन मुस्कान' के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों के जीवन में खुशियां बांटने का यह सेवा अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

कारगिल विजय दिवस पर जैन महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम 'वो वाली दीदी' आयोजित

छात्राओं को मिला करियर मार्गदर्शन, वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भिण्ड. शाबाश इंडिया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर स्थानीय जैन महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में 'आर्यावर्ती संस्कृति संगम' के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण एवं करियर मार्गदर्शन पर आधारित 'वो वाली दीदी' संवाद सत्र का आयोजन किया गया। स्वरूप विद्यानिकेतन स्कूल एवं सीक्रेट ब्यूटी पार्लर के विशेष सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देने के साथ-साथ कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर कविता यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनुभूति गुप्ता, पैरालंपियन पूजा ओझा, पत्रकार प्रकृति शर्मा, डॉ. ज्योति परिहार, रानू ठाकुर, उमा शर्मा, प्रीति जैन तथा सुषमा जैन ने वक्ता के रूप में अपने अनुभव साझा किए। सभी वक्ताओं ने छात्राओं को शिक्षा, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं स्वावलंबन के महत्व से अवगत कराया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। इस अवसर पर आर्यावर्ती संस्कृति संगम द्वारा ''चंबल के राष्ट्र ऋषि : मेरा गांव, मेरा इतिहास'' विषयक पोस्टर का भी विमोचन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों के गौरवशाली इतिहास, लोकसंस्कृति, वीर योद्धाओं और कला-संस्कृति का प्रामाणिक दस्तावेज तैयार कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन गीत एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा कारगिल के शहीदों को सलामी और दो मिनट के मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अश्वनी सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। आयोजन को सफल बनाने में कार्यकारी अध्यक्ष आस्था परिहार, संयोजक राधा राजावत तथा मंच संचालक विदुषी तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षित एवं सशक्त नारी को समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित समाज की आधारशिला बताते हुए सभी से महिला शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर आशीष कुमार जैन एवं दीपक गुप्ता सहित उपस्थित जनों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए हर्ष व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सघन वृक्षारोपण अभियान

जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के 100 पौधे लगाए

अजमेर. शाबाश इंडिया। पर्यावरण संरक्षण एवं ''हराभरा हो क्षेत्र हमारा'' अभियान के तहत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा आदर्श नगर स्थित पुलिस थाना के पीछे बाल प्रकाश आवासीय विद्यालय परिसर में सघन वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान जामुन, पीपल, बेलपत्र सहित विभिन्न प्रजातियों के 5 से 6 फीट ऊंचे 100 पौधे सुरक्षित स्थानों पर रोपे गए। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण का विस्तार तथा भावी पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे भविष्य में छायादार एवं फलदार वृक्ष बनकर पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन प्रांतीय सभापति मिशन मुस्कान लायन अतुल पाटनी के नेतृत्व में तथा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर लायन अतुल पाटनी ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा संकल्प है। अभियान में लायन राकेश पालीवाल, पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन शशिकांत वर्मा, पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन ज्ञानचंद जैन, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन अनिल छाजेड़, क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया तथा लायन शिवप्रसाद सोनी ने स्वयं पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। लायंस क्लब अजमेर आस्था ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे पर्यावरण संरक्षण अभियानों को निरंतर गति दी जाएगी तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के साथ उनकी नियमित देखरेख सुनिश्चित की जाएगी।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की राष्ट्रीय

'स्वर संधि अंताक्षरी'

जयपुर रीजन स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

मैत्री ग्रुप विजेता, वीर ग्रुप उपविजेता; दोनों टीमें ग्वालियर में करेंगी जयपुर रीजन का प्रतिनिधित्व

मैत्री ग्रुप विजेता | **वीर ग्रुप उपविजेता** | **लाइव म्यूजिकल बैंड की मनमोहक प्रस्तुतियां** | **सभी टीमों को स्मृति-चिह एवं उपहार**

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय 'स्वर संधि अंताक्षरी' की जयपुर रीजन स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य आयोजन भट्टारक जी की नसियां स्थित इंद्रलोक सभागार में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर के संयोजन में सम्पन्न हुआ। सायं 6:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक चले इस संगीतमय आयोजन में लाइव म्यूजिकल बैंड की मनमोहक प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों एवं दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। जयपुर रीजन सचिव नीरज रेखा जैन ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्वर संधि के पुरस्कार प्रायोजक राकेश-समता गोदिका, उज्जैन से पधारी राष्ट्रीय चेयरपर्सन श्रीमती नीता-जंबू जैन धवल, राष्ट्रीय संयोजक नवीन-संगीता जैन, राष्ट्रीय महासचिव सलाहकार अतुल-नीलिमा बिलाला तथा राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव राजेश-सीमा बड़जात्या उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक का सामूहिक वाचन भी किया गया। रीजन अध्यक्ष सुनील बज ने बताया कि जयपुर रीजन की विभिन्न इकाइयों की कुल 12 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। आयोजन सहयोगी एवं गुलाबी नगर ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती सुशीला-विनोद बड़जात्या ने कहा कि फेडरेशन के आह्वान पर आयोजित यह प्रतियोगिता संगठन में सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जयपुर रीजन कोषाध्यक्ष प्रमोद-सोनल सोनी ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन में राष्ट्रीय चेयरपर्सन नीता-जंबू जैन धवल तथा राष्ट्रीय संयोजक नवीन-संगीता जैन की प्रभावी मंच संचालन शैली और कुशल प्रबंधन ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। जयपुर रीजन के निवर्तमान अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव राजेश-सीमा बड़जात्या ने बताया कि सभी 12 टीमों को ड्रॉ के माध्यम से ग्रुप 'ए' एवं ग्रुप 'बी' में विभाजित किया गया, जिनमें प्रत्येक ग्रुप में छह-छह टीमें शामिल थीं। प्रतियोगिता छह चरणों में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जयपुर मेन, गुलाबी नगर, नवकार ए, नवकार बी, नवकार सी, मैत्री, डायमंड, संगिनी फॉरेवर, सम्यक, वीर, सन्मति ए एवं सन्मति बी की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोमांचक मुकाबलों के बाद मैत्री ग्रुप की सोनल पाटनी-शशि रानी जैन की टीम विजेता बनी, जबकि वीर ग्रुप की शशि जैन-अंकित छाबड़ा की टीम उपविजेता रही। दोनों टीमें आगामी 9 अगस्त को ग्वालियर में आयोजित ग्रैंड फिनाले में जयपुर रीजन का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता के प्रत्येक चरण की अंक गणना डॉ. इंद्र कुमार जैन (अध्यक्ष, सम्यक ग्रुप) एवं धनु कुमार जैन (अध्यक्ष, जयपुर मेन ग्रुप) ने निष्पक्ष रूप से की। लाइव म्यूजिकल बैंड की मधुर प्रस्तुतियों पर उपस्थित सदस्यों ने गीत-संगीत और नृत्य का भरपूर आनंद लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को स्मृति-चिह्न एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

अष्टानिका महापर्व के समापन पर पूज्य गुरुदेव का प्रेरणादायी संदेश

शुभ काल तो बार-बार आता है, लेकिन शुभ क्षण कभी-कभी ही प्राप्त होते हैं: आचार्य विमर्शसागर जी

देहरा तिजारा. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, देहरा तिजारा में विराजमान परम पूज्य भावलिंगी संत, राष्ट्रयोगी श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित अष्टानिका महापर्व का समापन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। मंगल प्रवचन के प्रारंभ में आचार्यश्री ने कहा कि अहो ! सिद्ध गुण गायेंगे, जीवन सफल बनायेंगे। राग-द्वेष की कश्ती को आगे नहीं बढ़ायेंगे। अष्टानिका पर्व शुचिता प्रगटाये रे। जीवन है पानी की बूँद, कब मिट जाये रे। होनी-अनहोनी कब क्या घट जाये रे।

आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और क्षणभंगुर है। यह जल की एक बूंद के समान है, जिसका कोई भरोसा नहीं कि कब समाप्त हो जाए। इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षण को धर्म, संयम, भक्ति और आत्मचिंतन में लगाकर उसे सार्थक बनाना चाहिए। सिद्ध परमात्माओं के गुणों का निरंतर स्मरण और चिंतन आत्मा को निर्मल बनाकर मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करता है। मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन एवं प्रचार मंत्री उमंग जैन ने बताया कि प्रवचन के दौरान आचार्यश्री ने कहा कि हमारे जीवन में शुभ काल तो बार-बार आता है, लेकिन शुभ क्षण कभी-कभी ही प्राप्त होते हैं। अष्टानिका महापर्व निश्चित रूप से एक शुभ काल है, किंतु जिन्होंने इन आठ दिनों में संयम धारण किया, सिद्ध परमात्माओं की आराधना की, भक्ति, स्वाध्याय तथा निर्ग्रन्थ गुरुओं का सान्निध्य प्राप्त किया, उन्होंने वास्तव में शुभ काल के भीतर शुभ क्षणों का लाभ प्राप्त किया है। ऐसे सौभाग्यशाली लोगों का जीवन धन्य है। आचार्यश्री ने कहा कि संसार में प्रत्येक जीव अपने कर्मों के अनुसार ही सुख-दुःख का अनुभव करता है। भगवान का संदेश है कि धर्म नहीं बदलता, बदलते हैं तो केवल कर्म। धर्म शाश्वत, सनातन और अपरिवर्तनशील है। परिवर्तन यदि होता है तो वह जीव के कर्मों में होता है। यही कर्म जीव को कभी सुगति तो कभी दुर्गति की ओर ले जाते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों की शुद्धि पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान की सच्ची भक्ति, सिद्धों की आराधना, गुरुओं का सान्निध्य और धर्म की साधना जीव के कर्मों में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सामर्थ्य रखते हैं। केवल बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता, राग-द्वेष का त्याग और आत्मस्वरूप की अनुभूति ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अष्टानिका महापर्व के दौरान किए गए संयम, तप, पूजा और स्वाध्याय को केवल पर्व तक सीमित न रखें, बल्कि उसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। तभी यह पर्व अपने वास्तविक उद्देश्य को सिद्ध करेगा और जीवन को सफल बनाएगा। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन, नरेंद्र जैन, प्रचार मंत्री उमंग जैन, चातुर्मास अध्यक्ष सुरेश जैन (पटेल), सोधर्म इंद्र सुभाष जैन (हरसोलीवाले), कुबेर इंद्र संजय जैन, यज्ञनायक विनय जैन, महेंद्र इंद्र नीरज जैन, ईशान इंद्र सचिन जैन, सनत इंद्र वरुण जैन (चिंटू) तथा दीप प्रज्वलनकर्ता राकेश जैन (मामू) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और गुरुदेव के मंगल प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया।

धावास जैन मंदिर में सिद्धचक्र महामण्डल विधान श्रद्धा-भक्ति के साथ सम्पन्न

गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन, हवन एवं श्रीजी की भव्य शोभायात्रा आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। अजमेर रोड स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास में आठ दिनों से आयोजित श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन, हवन तथा श्रीजी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के अनुसार शोभायात्रा में जयपुर के अनेक गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। विधान के दौरान बाल ब्रह्मचारिणी श्रेया दीदी एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी अक्षय जैन ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गुरु महिमा पर प्रकाश डाला। श्रेया दीदी ने कहा कि गुरु के बिना जीवन अधूरा है। गुरु ही जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करते हैं और व्यक्ति को परिवार, समाज एवं राष्ट्र के हित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास उन्हीं का बनता है जो कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका साहसपूर्वक सामना करते हैं। प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी अक्षय जैन ने कहा कि मन की हार ही सबसे बड़ी हार होती है। यदि मन दृढ़ और सकारात्मक हो तो व्यक्ति हर चुनौती का सामना कर सकता है। इसलिए मन को सदैव सही दिशा में प्रेरित करना चाहिए। मंदिर समिति के संरक्षक जयकुमार जैन बड़जात्या ने बताया कि विधान पूजन के दौरान भगवान को 1024 अर्घ्य समर्पित किए गए। मंदिर समिति के मंत्री मितेश ठोलिया एवं सहमंत्री मनोज जैन (पचेवर) ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर श्रीजी को पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद विधि-विधान के साथ पुनः श्रीजी को मंदिर में विराजित किया जाएगा। कोषाध्यक्ष हैमेन्द्र लुहाड़िया एवं सहमंत्री नरेन्द्र गोधा ने बताया कि सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य डिम्पल गोधा तथा नरेश‌‌दीपा सौगाणी परिवार को प्राप्त हुआ।

भक्ति का आधार एवं मुक्ति का मंत्र है 'गुरु'

✍ पदमचंद गांधी

भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और प्रेरणादायी संस्कृतियों में से एक है। इस संस्कृति ने मानवता को ज्ञान, अध्यात्म और जीवन मूल्यों का मार्ग दिखाया है। भारतीय दर्शन स्पष्ट करता है कि जीवन की वास्तविक शुरूआत गुरु से होती है। गुरु ही वह दिव्य व्यक्तित्व है, जो ज्ञान, ध्यान, चिंतन, सद्विचार, संस्कार, भक्ति और मुक्ति के मार्ग का परिचय कराता है। वह शिष्य को सत्य का बोध कराता है, जीवन को परखने की दृष्टि देता है और आत्मसाक्षात्कार की प्रेरणा प्रदान करता है। गुरु अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। वह शिष्य की आत्मा को आलोकित कर उसे जीवन का सही उद्देश्य समझाता है। इसलिए कहा गया है कि गुरु शक्ति का स्रोत, भक्ति का आधार और मुक्ति का मंत्र है। सद्गुरु ईश्वर का दिया हुआ सर्वोत्तम वरदान माना गया है।

गुरु कैसा हो?

ज्योतिष शास्त्र में भी गुरु ग्रह को विशेष महत्व दिया गया है। यदि जन्मकुंडली में गुरु शुभ एवं प्रभावशाली हो तो व्यक्ति का जीवन उन्नति की ओर अग्रसर होता है। उसी प्रकार जीवन में श्रेष्ठ गुरु का मिलना भी सौभाग्य का प्रतीक है। श्रेष्ठ गुरु ही योग्य, विनम्र और संस्कारित शिष्य का निर्माण करता है। स्कंदपुराण में गुरु को महिमा का दाता, चेतना का सारथी, संस्कारों का संवाहक, प्रेम का प्रतिनिधि और नीति का मार्गदर्शक बताया गया है।

गुरु सफलता का पथप्रदर्शक

चाणक्य नीति में आचार्य कौटिल्य ने कहा है कि गुरु शिष्य को सफलता का अमृत पिलाता है। वही उसे कीर्ति, सम्मान और उत्कृष्टता की ओर ले जाता है। गुरु शिष्य को आत्मविश्वास, विवेक और पूर्णता का बोध कराता है। सच्चा गुरु वही है जो स्वयं वीतराग, संयमी और आदर्श जीवन जीते हुए दूसरों को भी सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे।

गुरु जीवन का निर्माता

इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान गुरुओं ने सामान्य व्यक्तियों को असाधारण बना दिया। भगवान महावीर ने इंद्रभूति गौतम को परम ज्ञानी बनाया और अर्जुनमाली जैसे हिंसक व्यक्ति का जीवन परिवर्तित किया। महर्षि नारद के मार्गदर्शन से रत्नाकर डाकू महर्षि वाल्मीकि बने और रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना की। आचार्य यशोभद्र सूरी ने कुख्यात डाकू नरवीर को धर्ममार्ग पर अग्रसर किया। आचार्य चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य का निर्माण किया, गुरु रामदास ने छत्रपति शिवाजी के व्यक्तित्व को दिशा दी और द्रोणाचार्य की प्रेरणा से एकलव्य ने अद्भुत धनुर्विद्या अर्जित की। इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट है कि गुरु केवल शिक्षा नहीं देता, बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण करता है।

गुरु चेतना का जागरण करते हैं

गुरु शिष्य को सावधान करते हुए बताते हैं कि जीवन की नैया को क्रोध, मान, माया, लोभ, राग-द्वेष, व्यसन, कुसंगति और दुराचार जैसी चट्टानों से बचाना आवश्यक है। वे उपनिषद् का संदेश देते हैं–''उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।'' अर्थात उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक निरंतर आगे बढ़ते रहो। भगवान महावीर ने भी गौतम स्वामी से कहा था ''हे गौतम! पलभर का भी प्रमाद मत करो।'' यही संदेश आज भी प्रत्येक व्यक्ति के लिए उतना ही प्रासंगिक है।

गुरु जीवन की विशालता का बोध कराते हैं

गुरु हमें बताते हैं कि जीवन केवल शरीर तक सीमित नहीं है। वे आत्मा, धर्म और अध्यात्म का वास्तविक स्वरूप समझाते हैं। बुद्धि हमें सामान्य ज्ञान तक पहुंचाती है, लेकिन गुरु हमें श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्यय ज्ञान और अंततः केवलज्ञान की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। गुरु का सान्निध्य वास्तव में

परमात्मा के सान्निध्य का माध्यम बनता है। इसे प्राप्त करने के लिए श्रद्धा, समर्पण, विनय, विवेक, पात्रता, पुरुषार्थ और सरलता का होना आवश्यक है।

गुरु हर समस्या का समाधान हैं

गुरु जीवन के संकटों से रक्षा करने वाले वटवृक्ष के समान होते हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी शिष्य को धैर्य, साहस और सही निर्णय का मार्ग दिखाते हैं। चाहे कोई कितना भी धनवान क्यों न हो, यदि उसके जीवन में गुरु नहीं है तो उसका आध्यात्मिक जीवन अधूरा ही रहता है। आज सच्चे गुरु का मिलना दुर्लभ है, उनसे कृपा प्राप्त करना उससे भी कठिन और उन पर अटूट श्रद्धा बनाए रखना सबसे कठिन है। किंतु यही श्रद्धा शिष्य के विकास, प्रगति और आत्मोन्नति का आधार बनती है। गुरु शिष्य को सद्बुद्धि, सद्गुण, सम्यक समझ और अंततः समाधि का मार्ग प्रदान करते हैं। गुरु वह दिव्य शक्ति हैं, जो मनुष्य को गुलाब की तरह खिलना, दीपक की तरह प्रकाश फैलाना और चंदन की तरह दूसरों के जीवन में शीतलता भरना सिखाते हैं। वे जीवन को सार्थक बनाकर आत्मकल्याण और मोक्ष की दिशा में अग्रसर करते हैं। निस्संदेह, गुरु ही भक्ति का आधार, ज्ञान का प्रकाश और मुक्ति का मंत्र हैं। ऐसे परम पूज्य गुरुओं को शत-शत नमन एवं विनम्र वंदन।

जीवन में सफल होने के लिए धारणा बदलना जरूरी है : मुनि श्रमण सागर जी महाराज

मुनि संघ ने विधि-विधानपूर्वक राघौगढ़ में चातुर्मास का संकल्प लिया

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैनाचार्य, युगदृष्टा संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने श्रमण धारा प्रवचनमाला में मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले अपनी धारणा बदलना आवश्यक है। व्यक्ति अपनी बनाई हुई धारणाओं से बंध जाता है और उन्हें बदलना सबसे कठिन कार्य होता है। जो व्यक्ति विवेकशील होता है, वही परिस्थितियों को समझकर गंभीरतापूर्वक विचार करता है और आवश्यकता पड़ने पर अपनी सोच में परिवर्तन

लाता है। मुनिश्री ने कहा कि परिवार में यदि बहू अपने माता-पिता के प्रति जिस श्रद्धा और सम्मान का भाव रखती है, वही भाव अपने सास-ससुर के प्रति भी विकसित कर ले, तो परिवार में सुख, शांति और सौहार्द का वातावरण स्थापित हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी उच्च शिक्षा प्राप्त कर अधिक धन कमाने की चाह में विदेशों की ओर आकर्षित हो रही है और अनेक युवा अपने वृद्ध माता-पिता को छोड़कर विदेश चले जाते हैं। इस सोच में परिवर्तन की आवश्यकता है। आर्थिक प्रगति के साथ परिवार और संस्कारों के प्रति दायित्व निभाना भी उतना ही आवश्यक है। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने आगे कहा कि पूर्व प्रवचनों में उन्होंने बताया था कि मूर्ति, मंत्र और आशीर्वाद में चमत्कार तभी प्रकट होता है, जब श्रद्धा दृढ़ हो। उन्होंने कहा कि राघौगढ़ में विराजमान मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा भी आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। यदि श्रद्धा अटूट हो, तो आध्यात्मिक अनुभूति स्वयं प्राप्त होती है। आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी के पावन अवसर पर नवाचार्य समयसागर जी महाराज की आज्ञा से राघौगढ़ पधारे मुनि श्रमण सागर जी महाराज एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज ने विधि-विधान, मंत्रोच्चार एवं भगवान तथा गुरुजनों के स्मरण के साथ शुभ मुहूर्त में राघौगढ़ में चातुर्मास करने का संकल्प लिया।

आर. के. कम्युनिटी सेंटर में

चातुर्मास मंगल स्थापना एवं धर्मसभा का भव्य आयोजन

आचार्य विहर्षसागर जी संघ के सान्निध्य में पहली बार समाज की सामूहिक उपस्थिति में सम्पन्न हुई चातुर्मास स्थापना

भक्ति, श्रद्धा और गुरु शरणागति से गुंज उठा किशनगढ़

मंगल कलश स्थापना का पुण्य अवसर | चार माह तक प्रतिदिन मंत्रोच्चार व मंगल आर्शीर्वचन | चार माह पश्चात श्रद्धालु परिवार कलश को अपने घर ले जाएंगे | धर्म, अध्यात्म और संस्कृति का अद्भुत संगम

किशनगढ़. शाबाश इंडिया। आर. के. कम्युनिटी सेंटर में आयोजित चातुर्मास महोत्सव के अंतर्गत चातुर्मास मंगल स्थापना एवं भव्य धर्मसभा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज, आचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज एवं आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज के चित्रों के अनावरण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आज के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य श्री सुभाषचंद, विजयकुमार, रोहित एवं सौरभ गंगवाल (सिराणा वाले) परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात आचार्य 108 श्री विहर्षसागर जी महाराज का भक्तिभावपूर्वक पादप्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सायंकाल श्रद्धालुओं ने महाआरती में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। धर्मसभा में मंगलाचरण श्रीमती नीलिमा अजमेरा ने प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन कमल बैद ने किया। इस अवसर पर ग्वालियर, सलूम्बर, इंदौर, अजमेर एवं जोधपुर सहित विभिन्न नगरों से आए श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना के अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने मंगल कलश स्थापित करने का पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बैद, मंत्री प्रदीप गंगवाल, श्री आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाशचंद गंगवाल, कैलाश पाटनी, महेंद्र पाटनी, इंद्रचंद पाटनी, विजय गंगवाल, मनोज दोषी, लूणकरण कासलीवाल, अनूप बैद, जितेंद्र पाटनी, मुकेश काला, राजेंद्र सोगानी, विकास पाटनी, मुकेश पाटनी, पदम गंगवाल सहित अनेक समाजजनों ने आचार्य ससंघ को श्रीफल भेंट कर चातुर्मास स्थापना की मंगल क्रिया में सहभागिता निभाई। लंबे समय से जिस शुभ घड़ी की समाज प्रतीक्षा कर रहा था, वह आज किशनगढ़ में साकार हुई। नगर की सुख-समृद्धि, शांति एवं रोग-व्याधियों से रक्षा की मंगलकामना के साथ विशेष धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं को पीली सरसों प्रदान करते हुए गुरु शरणागति का संदेश दिया गया— जब कुछ भी न बन सके, तब गुरु की शरण में आओ। आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी के पावन अवसर पर आचार्य ससंघ द्वारा चार माह के चातुर्मास की मंगल स्थापना विधिवत सम्पन्न की गई। चारों दिशाओं के देवी-देवताओं का नमन करते हुए समाजजनों ने सामूहिक रूप से स्थापना क्रिया में भाग लिया। विशेष उल्लेखनीय यह रहा कि चातुर्मास स्थापना की यह क्रिया पहली बार पूरे समाज की सामूहिक उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

दुःख हमारे अपने कर्मों का परिणाम है : राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

दलाल बाग में प्रतिदिन होगा जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं भव्य संगीत निशा का आयोजन

इंदौर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रसंत, राजकीय अतिथि मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि जीवन का सबसे बड़ा सत्य यह है कि मनुष्य के जीवन में आने वाले दुःख उसके अपने कर्मों का परिणाम होते हैं। यदि जीवन में किसी भी प्रकार का दुःख आता है तो उसे अपने पूर्व में किए गए कर्मों का फल मानकर आत्मचिंतन करना चाहिए। दलाल बाग में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा, ''जो-जो दुःख तुम्हारी जिंदगी में आ रहे हैं, वे तुम्हारे किए हुए अपराधों की सजा हैं। जैसे जेल यह बताती है कि अपराध हुआ है, उसी प्रकार जीवन में आया दुःख भी यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं हमारे कर्मों में त्रुटि रही है।'' उन्होंने कहा कि दुःख शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक या किसी भी रूप में आ सकता है, लेकिन प्रत्येक दुःख हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। इसलिए जब भी दुःख आए तो स्वयं को दोषी मानकर अपने आचरण की समीक्षा करनी चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि यह स्वीकार करना आवश्यक है कि दुःख पूर्वकृत कर्मों के उदय से आता है, लेकिन यह धारणा कभी नहीं बनानी चाहिए कि जीवनभर ऐसे ही दुःख सहने पड़ेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार किसी अपराधी को आजीवन कारावास मिल सकता है, लेकिन वह सुधार के मार्ग पर चलकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का संकल्प ले सकता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने जीवन को बदल सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मों से कभी पलायन नहीं करना चाहिए। जीवन में सुधार का मार्ग स्वीकार करना ही वास्तविक साधना है। व्यक्ति यह संकल्प ले कि ''मैंने गलती की है, लेकिन जीवनभर गलत नहीं रहूंगा।'' यही सकारात्मक सोच उसे आत्मोन्नति की ओर ले जाती है। मुनिश्री ने कहा कि शास्त्रों में नीचता की निंदा अवश्य की गई है, लेकिन इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा है, जहां अपने दोषों को स्वीकार कर जीवन बदलने वाले व्यक्तियों का देवताओं ने भी सम्मान किया। वास्तविक आदर्श वही है, जो अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर उन्हें दूर करने का पुरुषार्थ करे।

29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि 29 जुलाई को राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ, 18 पिच्छिकाओं एवं 20 त्यागियों के पावन सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस आयोजन में देशभर से श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे संत सुधासागर सभागार में प्रारंभ होगा। इस दौरान गुरुदेव की संगीतमय महापूजा, गुरु गुणगान तथा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गुरु पूर्णिमा पर होगी भव्य संगीत निशा

धर्म प्रभावना समिति के नवीन गोधा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर भव्य संगीत निशा का आयोजन भी किया जाएगा। इसके लिए देश के विभिन्न स्थानों से प्रसिद्ध भजन एवं धार्मिक गायकों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि आयोजन की तैयारियों में सपना गोधा, अशोक रानी डोशी, आकाश जैन, हर्ष जैन, आनंद गोधा, धर्मेन्द्र जैन सहित समिति के अनेक सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। समिति ने शहरवासियों से सभी कार्यक्रमों में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित करने तथा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करने का आग्रह किया। साथ ही, आयोजन स्थल पर प्रतिदिन जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु अपने आध्यात्मिक एवं धार्मिक प्रश्नों का समाधान मुनि संघ से प्राप्त कर सकेंगे।

मुनि श्री विश्व विजय सागर जी महाराज का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव 2 अगस्त को

जयपुर. शाबाश इंडिया। चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पारस विहार, मोहनपुरा (मुहाना मंडी) में महामना महातपस्वी आचार्य श्री 108 कुशाग्रनंदी जी महाराज के आशीर्वाद से प्रतिदिन आसपास की कॉलोनियों के सकल जैन समाज द्वारा भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्मलाभ अर्जित किया जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन गोदिका ने बताया कि आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज एवं पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, सरल स्वभावी मुनि श्री विश्व विजय सागर जी महाराज के सान्निध्य में शांतिधारा का सौभाग्य माणकचंद, विकास कुमार, आशा एवं नंदिनी जैन (अंबिकापुर, छत्तीसगढ़), अरविंद (अरबाना ज्वेल्स) तथा पवन-सरोज, प्रतीक-रुचि, आध्या एवं मानवी जैन (गोदिका), पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुरा परिवार को प्राप्त हुआ। सभी श्रद्धालुओं ने अभिषेक एवं शांतिधारा कर पुण्य का संचय किया। प्रचार संयोजक राकेश गोदिका ने बताया कि मुनि श्री विश्व विजय सागर जी महाराज के नौवें चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव का आयोजन रविवार, 2 अगस्त 2026 को दोपहर 12:30 बजे मंदिर परिसर में किया जाएगा। यह कार्यक्रम विद्वान पंडित सुरेंद्र जी एवं संगीतकार मनोज जैन के सान्निध्य में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न होगा।